

Guidelines for Plagiarism Check

The following guidelines must be adhered for plagiarism detection in Ph.D. thesis.

1. The Ph.D. thesis must undergo a plagiarism check by plagiarism detection software (DrillBit).
2. To avoid any conflict and text similarity issues, Ph.D. thesis must not be checked by or uploaded to DrillBit software/server of any other universities or institutions.
3. The Research Scholar should submit the filled "Certificate of Plagiarism check" form which must be signed by both the Ph.D. scholar and the research supervisor.
4. The Research Scholar should submit Ph.D. thesis in soft copy (PDF file in CD) for plagiarism check, which should contain the following two soft files separately.

File 1: Containing complete thesis work (Single PDF file)

File 2: Thesis excluding table of contents, preface, acknowledgement, references, bibliography, and indices (Single PDF file)

5. The similarity checks for plagiarism shall exclude the following: i. All quoted work reproduced with all necessary permission and/or attribution. ii. All references, bibliography, table of content, preface and acknowledgements. iii. All generic terms, laws, standard symbols and standards equations.
6. Regarding cases where published work of the Ph.D. scholar is shown as Plagiarism in the check, a certificate regarding "plagiarism self-exclusion" has to be issued by the supervisor specifying and attaching the articles that have been published by the Ph.D. scholar from his/her thesis work. Only these articles should be excluded from the check. No other article of the supervisor or the Ph.D. scholar should be excluded from the plagiarism check.
7. The final Plagiarism check of Ph.D. thesis is essential so that the correct report is submitted at the time of thesis submission. In case of plagiarism, report of plagiarism check must be made available to email Id of supervisor and Ph.D. scholar.
8. Thesis within similarity up to ten (10) percent is excluded from the plagiarism, as it corresponds to level-0 as per the plagiarism definition mentioned in the University Grants Commission (Academic Integrity and Prevention of Plagiarism in Higher Educational Institutions) Regulations, 23rd July 2018.

साहित्यिक चोरी की जाँच के लिए दिशा-निर्देश

पीएच.डी. शोध प्रबंध में साहित्यिक चोरी का पता लगाने के लिए निम्नलिखित दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए।

1. पीएच.डी. शोध प्रबंध को साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर (ड्रिलबिट) द्वारा साहित्यिक चोरी की जाँच से गुजरना होगा।
2. किसी तरह के विवाद और पाठ समानता के मुद्दों से बचने के लिए, पीएच.डी. शोध प्रबंध को किसी भी अन्य विश्वविद्यालयों या संस्थानों के (ड्रिलबिट) सॉफ्टवेयर/सर्वर द्वारा जांचा या अपलोड नहीं किया जाना चाहिए।
3. शोधार्थी को भरे हुए " साहित्यिक चोरी की जाँच के लिए शोधार्थी से संबंधित सूचना " फॉर्म जमा करना चाहिए। जिस पर पीएच.डी. छात्र/ शोधार्थी और शोध निर्देशक दोनों का हस्ताक्षर किया जाना चाहिए।
4. शोधार्थी को पीएच.डी. शोध प्रबंध में साहित्यिक चोरी की जाँच के लिए, शोध प्रबंध को सॉफ्ट कॉपी (सी. डी. में पीडीएफ फाइल) में जमा किया जाना चाहिए। जिसमें निम्नलिखित दो सॉफ्ट फाइलें अलग-अलग होनी चाहिए।
फ़ाइल 1: पूर्ण शोध प्रबंध कार्य (एकल पीडीएफ फाइल)
फाइल 2: विषयवस्तु की तालिका, आमुख, साभार, संदर्भ, पुस्तकसूची, और सूचकांकों को छोड़कर शोध प्रबंध (एकल पीडीएफ फाइल)
5. साहित्यिक चोरी के लिए समानता जाँच में निम्नलिखित शामिल नहीं होंगे: (क) सभी अनिवार्य अनुमतियों और/ अथवा गुण धर्म के साथ पुनः प्रस्तुत किए गए उद्धृत कार्य (ख) सभी संदर्भ, पुस्तकसूची, विषयवस्तु की तालिका, आमुख, साभार (ग) सभी सामान्य शब्दावली, विधि मानक, चिन्ह तथा मानक समीकरण।
6. उन मामलों के संबंध में, जहां शोधार्थी के प्रकाशित कार्य को जाँच में साहित्यिक चोरी के रूप में दिखाया गया है। शोध निर्देशक द्वारा "साहित्यिक चोरी आत्म-बहिष्करण" के संबंध में एक प्रमाण पत्र जारी किया जाना चाहिए। और उन लेखों को संलग्न करना चाहिए जो पीएचडी शोधार्थी द्वारा प्रकाशित किए गए हैं। शोधार्थी के शोध प्रबंध कार्य से केवल इन लेखों को जाँच से बाहर रखा जाना चाहिए। शोध निर्देशक या शोधार्थी का कोई अन्य लेख साहित्यिक चोरी की जाँच से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए।
7. पीएच.डी. शोध प्रबंध की अंतिम साहित्यिक चोरी जाँच आवश्यक है। ताकि शोध प्रबंध जमा करने के समय सही रिपोर्ट प्रस्तुत की जा सके। साहित्यिक चोरी के मामले में, साहित्यिक चोरी की जाँच रिपोर्ट शोध निर्देशक और पीएच.डी. शोधार्थी की ईमेल आई.डी. पर उपलब्ध कराई जानी चाहिए।
8. दस (10) प्रतिशत तक समानता वाली थीसिस को साहित्यिक चोरी से बाहर रखा गया है, क्योंकि यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में शैक्षणिक अखंडता और साहित्यिक चोरी की रोकथाम) विनियम, 23 जुलाई, 2018 में वर्णित साहित्यिक चोरी की परिभाषा के अनुसार स्तर - 0 के अनुरूप है।

साहित्यिक चोरी की जाँच हेतु शोधार्थी से संबंधित सूचना

शोधार्थी का नाम:

पंजीकरण का वर्ष:

नामांकन संख्या:

विषय:

शोध प्रबंध का शीर्षक:

शोध निर्देशक का नाम:

शोध सह-निर्देशक का नाम (यदि कोई हो):

शोधार्थी ईमेल की आई.डी.

शोध निर्देशक की ईमेल आई.डी.

(शोधार्थी के हस्ताक्षर)

(शोध निर्देशक के हस्ताक्षर)

.....